नोएडा एयरपोर्ट बनेगा पर्यावरण के अनुकूल हवाईअड्डा

माई सिटी रिपोर्टर

51,966 मेगावाट प्रति घंटा स्वच्छ ऊर्जा का किया जाएगा उत्पादन

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर विजन को साकार करते हुए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) देश का सबसे पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ हवाईअड्डा बनने की ओर अग्रसर है।

ज्यूरिख एयरपोर्ट ग्रुप के सहयोग से विकसित हो रहा यह एयरपोर्ट नेट-जीरो कॉन्सेप्ट पर आधारित है और भारत का पहला ग्रीन कैंपस प्रमाणित एयरपोर्ट बनने का गौरव हासिल कर चुका है।

एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि ऊर्जा, पानी और कचरे की खपत न्यूनतम रहे। पार्किंग क्षेत्र के 20 प्रतिशत हिस्से में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए स्टैंडर्ड और फास्ट चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध होगी, जबकि एयरसाइड संचालन में प्रयुक्त सभी वाहन पूरी तरह इलेक्ट्रिक होंगे। एयरपोर्ट परिसर में 82.94 एकड़ में सोलर फार्म विकसित किया जा रहा है, जिससे 51,966 मेगावाट-घंटा स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन होगा।

सांकेतिक

इसके अलावा दो रेनवाटर हार्वेस्टिंग पौंड, आरएनजी प्लांट और अत्याधुनिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली एयरपोर्ट को पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बनाएंगे। पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए एक व्यापक एनवायरनमेंट मॉनिटरिंग प्लान भी लागू किया गया है, जिसके तहत हर माह वायु, जल, मिट्टी, कचरा और सीवेज के मानकों की निगरानी की जाएगी। ब्यूरो